श्री बंशीधर नगर, बुधवार
12.02.2025
माघ शुक्लपक्ष पूर्णिमा संवत 2081
वर्ष : 03, अंक : 169

सूर्योदय-सूर्यास्त
उदय - 06:34 बजे
अस्त - 05:44 बजे

तापमान
अधिकतम : 31 डिग्री से.
न्यूनतम : 14 डिग्री से.

बंशीधर न्यूज
कलम है, तो आवाज़ बुलंद है...

डिजिटल अखबार www.banshidharnews.com

धारदार हथियार से अधेड़ दंपत्ती की हत्या >> पेज 03
नौ साल पहले की फ्लॉप फिल्म 'सनम तेरी कसम' हिट >> पेज 04

सुविचार

जो समय के साथ बदलता है, वह सदैव उन्नति करता है।

न्यूज अपडेट्स

मुख्यमंत्री 19 को करेंगे इटखोरी महोत्सव का उद्घाटन

चतरा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 19 फरवरी को राजकीय ईटखोरी महोत्सव का उदघाटन करेंगे। मंगलवार को उपायुक्त रमेश घोलप ने बताया कि राजकीय ईटखोरी महोत्सव के लिए जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। स्थानीय कलाकारों, राज्य स्तर के कलाकार एवं बॉलीवुड कलाकारों का चयन प्रक्रिया पूर्ण कर लिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय सहित अन्य उपस्थित थे।

संजय आनंद लाठकर केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर

रांची। झारखंड कैडर के सीनियर आईपीएस संजय आनंद लाठकर को केन्द्र सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग में आईजी सिक्योरिटी नियुक्त किया गया है। आईपीएस संजय आनंद लाठकर मुंबई स्थित परमाणु मुख्यालय में अपना योगदान देंगे। केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर इस संबंध में मंगलवार को जानकारी दी गई है। झारखंड पुलिस के एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर वर्ष 1995 बैच के आईपीएस हैं और एक तेज तर्रार व ईमानदार पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। इससे पहले लाठकर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए आईपीएस लाठकर झारखंड चैप्टर के आईजी भी रह चुके हैं।

ऊर्जा — भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया

विकसित भारत के लिए अगले दो दशक बहुत महत्वपूर्ण : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिल्ली के यशोभूमि में भारत ऊर्जा सप्ताह-2025 का वर्चुअली उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि 'विकसित भारत के लिए अगले दो दशक बहुत महत्वपूर्ण हैं। अगले पांच साल में हम कई बड़े मील के पत्थर पार करने जा रहे हैं। हमारे कई ऊर्जा लक्ष्य 2030 की समय सीमा के अनुरूप हैं।

उन्होंने कहा, हमारे ये लक्ष्य बहुत महत्वाकांक्षी लग सकते हैं लेकिन भारत ने पिछले 10 वर्षों में जो हासिल किया है, उससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि हम इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हमारी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 32 गुना वृद्धि हुई है। आज भारत तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश है। इसके अलावा, हमारी गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता तीन गुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर एक्सपर्ट आज कह रहा है कि 21वीं सदी, भारत की सदी है। भारत अपनी ही नहीं, दुनिया की ग्रोथ को भी ड्राइव कर रहा है और इसमें हमारे ऊर्जा सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा साझेदारी पांच खंभों पर खड़ी है। हमारे पास संसाधन हैं, जिनमें हम हार्नेस करा रहे हैं। हम अपने प्रतिभाशाली दिमागों को इनोवेट करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारे पास आर्थिक ताकत है, राजनीतिक स्थिरता है। भारत के पास रणनीतिक भूगोल है, जो ऊर्जा व्यापार सबसे आकर्षक और आसान जगह है। भारत, ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत अपने लक्ष्य से काफी पहले ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। इसका एक उदाहरण 'इथेनॉल मिश्रण' है। हम वर्तमान में 19 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण कर रहे हैं, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, किसानों के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न हुआ है और सीओ2 उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। हम अक्टूबर 2025 से पहले 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया पहल के साथ, हम स्थानीय आपूर्ति और विनिर्माण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिछले दशक में, भारत की सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2 गीगावाट से बढ़कर 70 गीगावाट हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की जैव ईंधन उद्योग तेजी से ग्रो करने को तैयार है। हमारे पास 500 मिलियन मैट्रिक टन का टिकाऊ फीडस्टॉक है। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन बना, जो लगातार विस्तार कर रहा है। 28 नेशन और 12 अंतरराष्ट्रीय संगठन जुड़ चुके हैं। ये कचरे को संपत्ति में ट्रांसफार्म कर रहा है और उत्कृष्टता का केंद्र सेट रहा है। उन्होंने कहा कि हमने देश के सामान्य परिवारों और किसानों को ऊजार्दाता बनाया है। बीते साल हमने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की। इस योजना का स्कोप सिर्फ ऊर्जा उत्पादन तक ही सीमित नहीं है। इससे सोलर सेक्टर में नई स्किल्स बन रही हैं, नया सर्विस इकोसिस्टम बन रहा है और आपके लिए इंवेस्ट की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

फरवरी में ही पारा 36 डिग्री

रांची। राज्य में फरवरी माह में ही तापमान बढकर 36 डिग्री हो गया है। मंगलवार को सरायकेला में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अभी फरवरी का महीना आधा भी खत्म नहीं हुआ है। देश भर में झारखंड की पहचान एक हरे भरे राज्य के रूप में होती है, लेकिन राज्य गठन के बाद से राज्य में वनों की तेजी से कटाई हो रही है। गांव से लेकर शहरी इलाकों में भी सड़क, पुल और आवास निर्माण समेत अन्य जरूरी विकास कार्यों के लिए हर दिन हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं, जिसका दुष्प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है और तापमान में बढोत्तरी हो रही है। वहीं सरायकेला के बाद चाईबासा और डालटेनगंज में भी तापमान 33 डिग्री पहुंच गया है। दोनों शहरों में अधिकतम तापमान क्रमशः 33.8 और 33.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची में सुबह में हल्की ठंड महसूस की जा रही है, जबकि रात में कनकनी है। हालांकि हवा नहीं चलने से ठंड में कमी आई है। मंगलवाार को रांची में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य में जिन शहरों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच गया है उनमें जमशेदपुर 32.2, बोकारो 31.1, गढ़वा 30.9 और गुमला 30.2 डिग्री सेल्सियस शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले चार पांच दिनों तक मौसम साफ रहेगा। इससे अधिकतम तापमान में आंशिक बढोत्तरी होने की संभावना है।

राज्यों में जल्द खुलेंगी नारी कोर्ट, राज्यों को लिखा गया पत्र

नई दिल्ली। महिलाओं से संबंधित मामलों के जल्द निपटारे के लिए अब राज्यों में नारी कोर्ट की शुरूआत की जाएगी। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सचिवों को चिट्ठी लिख कर नारी कोर्टें शुरू करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को शास्त्री भवन में एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि नारी कोर्ट योजना स्थानीय समुदायों के भीतर महिलाओं के छोटे-मोटे विवादों के समाधान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि नारी कोर्ट शुरू करने के लिए सभी राज्यों को पत्र भेजा गया है। मौजूदा समय में असम और जम्मू-कश्मीर के 50 -50 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर नारी कोर्टें चल रही हैं।

असम में साल 2023-24 में दर्ज 102 मामलों में से 76 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में साल 2023-24 में दर्ज 180 मामलों में 144 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इस संबंध मे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मलिक ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सचिवों को लिखी चिट्ठी में कहा कि राज्य में कम से कम 10 ग्राम पंचायतों या अपने केंद्र शासित प्रदेश में 5 ग्राम पंचायतों में पायलट आधार पर नारी कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव भेजें। इस संबंध में असम, बिहार, कर्नाटक और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से प्राप्त प्रस्तावों को मंत्रालय पायलट आधार पर कुछ नारी कोर्टें स्थापित करने के लिए पहले ही स्वीकार कर चुका है।

श्रीरामानुजाचार्य स्वामी सहस्त्राब्दी जयंती पूर्ति महामहोत्सव का आयोजन

एक साथ 15000 शंखनाद की ध्वनि से वातावरण हुआ गुंजायमान

बंशीधर न्यूज

महाकुंभ नगर : महाकुंभ के सेक्टर-8 में श्रीत्रिदंडी जीयर स्वामीजी महाराज के शिविर में श्रीलक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के पावन सानिध्य व मंगलानुशासन में मंगलवार को आयोजित भाष्यकार श्रीरामानुजाचार्य स्वामी सहस्त्राब्दी जयंती पूर्ति महामहोत्सव सह अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन में एक साथ 15000 शंखनाद की ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो गया। उस मौके पर भारत के सभी राज्यों से बड़ी संख्या में संत महात्मा एवं पीठाधीश्वर जुटे हुए थे। दक्षिण भारत से आए संत संबोधित करते हुए कहा कि जो काम रामानुज स्वामी हजारों वर्ष पहले दक्षिण भारत में किए थे वही कार्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज उत्तर भारत में कर रहे हैं। श्री जीयर स्वामी जी महाराज सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए मजबूती से कार्य कर रहे हैं। हम सब का सौभाग्य है कि ऐसे सन्यासी के सानिध्य में हम सब एक मंच पर उनका आशीर्वाद पा रहे हैं।

स्वामी जी महाराज ने कहा कि धर्म के बिना मानव जीवन संभव नहीं है धर्म रहेगा तभी हम रहेंगे। धर्म, राष्ट्र और संस्कृति के लिए आत्मा है बिना आत्मा का शरीर मृत हो जाता है उसी प्रकार बिना धर्म का कोई भी संस्कृति मृत हो जाती है। उन्होंने बताया कि मनुष्य की जितनी भी परेशानियां है और मानव जीवन का जो भी समस्या है, धर्म से ही उसका समाधान संभव है। बिना धर्म बिना ज्ञान के मानव समस्या का समाधान नहीं है। मीडिया प्रभारी अखिलेश बाबा ने बताया कि भव्य बने प्रवचन पंडाल में हजारों की संख्या में महिला तथा पुरुष जुटे हुए थे। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए काफी दूर-दूर से संत महात्मा तथा भक्तगण जुटे हुए थे। जब 15000 शंखनाद की ध्वनि एक साथ गूंज रही थी तो उस समय पूरा क्षेत्र गूंज उठा। स्वामी जी महाराज ने कहा कि जीवन में परेशानियां आती रहती है इसे घबराना नहीं चाहिए जब भी जीवन में परेशानी आए तो श्री लक्ष्मी नारायण भगवान का ध्यान करना चाहिए उससे परेशानियों का समाधान हो जाता है।

वाटरशेड यात्रा का शुभारंभ, डीसी ने रथ को किया रवाना

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : जल है तो कल है और मिट्टी है तो जीवन है, उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये जल लाये धन-धान्य थीम के साथ समाहरणालय सभागार से वाटरशेड यात्रा को लेकर वाहन को डीसी शेखर जमुआर, डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी वन प्रमंडल एबिन बेन्नी एब्राह्म ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर चिनिया प्रखंड के लिये रवाना किया। इस दौरान डीसी ने बताया कि वाटरशेड वाहन द्वारा आगामी तीन दिनों तक वाटरशेड यात्रा का कार्यक्रम किया जाना है। यह वाहन चिनिया प्रखंड में तीन दिनों तक भ्रमण करते हुये इसका प्रचार-प्रसार करेंगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिये लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिये जन भागीदारी को बढ़ावा देना है, ताकि वर्षा जल का संरक्षण कर खेती-बाड़ी तथा आजीविका को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज यह वाहन वाटरशेड यात्रा के तहत चिनिया प्रखंड के लिये भेजा गया। जहां पर वह प्रखंड मुख्यालय में नुक्कड़ नाटक, पानी पंचायत, भूमि पूजन, वृक्षारोपण तथा श्रमदान के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के लिये लोगों को जागरूक करने का कार्य करेगी। वहीं 12 तथा 13 फरवरी को ग्राम बरवाडी तथा तहले में वाटरशेड यात्रा के साथ-साथ उपरोक्त की भाती जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा एवं दिनांक 19 फरवरी को चिरका (आईटीआई) के मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

न्यूज अपडेट्स

मुखिया की अध्यक्षता में ग्राम सभा

रमना : प्रखंड सिलीदाग पंचायत मे जीपीडीपी (ग्राम पंचायत विकास योजना) वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये ग्राम छपरदागा में करमबोहवा बांध के समीप मुखिया अनीता देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जहां ग्रामीणों ने छपरदागा को विकसित बनाने संबंधित योजनाओं का चयन किया। ग्रामीणों की मांग पर मुखिया अनीता देवी ने 1970 के दशक में बने घाघर नाला बांध का निरीक्षण किया। उक्त नाला का निर्माण उस वक्त के मुखिया श्यामबिहारी सिंह के प्रयास से हुआ था। उक्त नाला का पानी करमबोहवा बांध में आता था जिससे लोग समय पर खेती करते थे। लेकिन वर्तमान में उक्त नाला जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हो चुका है। मुखिया अनीता देवी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि मेरा प्रयास है कि उक्त नाले की मरम्मती मै हर हाल में कराऊंगी, ताकि छपरदागा वासी पूर्व की भांति समय पर खेती करें, और आपका पैदावार अच्छा रहे। मौके पर पंचायत सचिव राघवेंद्र सिंह, रोजगार सेवक आलोक तिवारी, पंचायत स्वयंसेवक प्रदीप मेहता, वार्ड सदस्य प्रभा देवी, गोखुल परहिया, शिवनाथ परहिया, रामवृक्ष परहिया, महेंद्र यादव, नागेंद्र यादव, अयोध्या यादव, नरेश उरांव, राहुल गुप्ता, सहदेव उरांव, बिशनाथ यादव आदि लोग उपस्थित थे।

पलामू ▶ **दुबियाखांड़ में दो दिवसीय राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला शुरू**

एकजुट रहेंगे, तो आगे बढ़ेंगे : किशोर

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : समाज के हर वर्ग आगे बढ़े। आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी, अल्पसंख्यक समाज का भी उत्थान हो। इसके लिये सरकार कार्य कर रही है। एकजुट रहेंगे, तो आगे बढ़ेंगे। उक्त बातें वित्त, वाणिज्यकर, योजना एवं विकास व संसदीय कार्य विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कही। मंत्री पलामू के दुबियाखांड़ में आयोजित दो दिवसीय राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी समाज का साक्षरता दर 52: है, जो राष्ट्रीय औसत से नीचे है। ऐसे में शिक्षा सभी के लिये आवश्यक है। शिक्षित होने से आदिवासियों के बच्चे विधानसभा एवं लोकसभा के सदस्य बनेगे। इससे गर्व की अनुभूति होगी। उन्होंने हर वर्ग-समुदाय के शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की अपनी संस्कृति को बचाकर रखने की आवश्यकता है। आदिवासियों की आत्मा नदियों के किनारे

बसती है। मांदर की थाप पर बसती है। प्रकृति में बसती है। आदिवासी समाज प्रकृति के धरोहर हैं। यह समाज आगे बढेत्ता, तो पूरा समाज समृद्धशाली बन सकेगा। आदिवासी समाज प्रकृति/वशुंधरा का खजाना है। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान राशि से महिलाएं अपनी जरूरतों को पूरा कर रहीं हैं। साथ-ही-साथ बच्चों को पढाई में खर्च कर उन्हें आगे बढ़ा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि राजा मेदिनीराय का पलामू किला पूरे पलामू प्रमंडल व राज्य के लोगों के लिये धरोहर है। इसका संपूर्ण विकास होगा। इसके लिये डीपीआर तैयार की जा रही है। वहीं केचकी रिट्रीट, मलय डैम, आदिवासियों के क्षेत्र में पर्यटक स्टे होम का निर्माण कार्य की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दी है। इससे आदिवासी क्षेत्रों का विकास होगा। साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

शिक्षा से समाज में आती है जागरूकता : चमरा लिंडा

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री ने चमरा लिंडा ने कहा कि समाज की बेहतरी व उत्थान के लिये शिक्षा आवश्यक है। विकास के लिये समाज को एकजुट रहना भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा से समाज में जागरूकता आती है और विकसित समाज का सपना साकार होता है। सरकार आदिवासियों सहित समाज के हर वर्ग के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। राजा मेदिनीराय ने विकसित समाज निर्माण का कार्य किया। एकजुटता पर बल दिया। आदिवासी समाज भी एकजुटता में कमी नहीं आने दें। एकता व दृढ़ता के साथ रहने से अधिकार खुद मिल जायेगा। समाज को आगे बढ़ाने की सोच रखनी होगी।

मेला को भव्यता प्रदान करें : रामचंद्र सिंह

मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने मेला को और भव्यता प्रदान करने की बातें कही। उन्होंने कहा कि मेला राज्य स्तर पर हो और इसके माध्यम से और अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाय।

चेरो राजवंश को याद दिलाता है मेला : त्रिपाठी

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि दो दशकों से लगातार मेला का आयोजन होता है, जो चेरो राजवंश को याद दिलाता है। राजा मेदिनीराय की याद में आयोजित इस मेले में सरकार के विभागों के स्टॉल लगाये जाते हैं। योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाता है। मेला के माध्यम से योजना के बारे में जानकारी मिलती है। यहां मंईयां सम्मान योजना संचालित है, जिसे दूसरे राज्य भी अपना रहे हैं। उन्होंने जल संग्रहण के दिशा में ध्यान आकृष्ट कराया। कहा कि पानी जो बहकर दूसरे राज्यों में चला जाता है, उसे संग्रहण करने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है।

सजगता से कार्य करती है सरकार: आलोक सिंह

जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह ने कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित इस मेले के लिए सरकार सजगता से कार्य करते रही है। पलामू जिला प्रशासन सक्रियता से इस मेला को सफल बनाने में जी-जान से मेहनत करते हैं। आयोजन समिति भी अपनी मेला के सफल संचालन में पूरे उत्साह के साथ कार्य करती है।

जिला प्रशासन व समिति के समन्वय से लगता है मेला: अर्जुन

मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी विकास मेला का शुभारंभ 1990 में हुआ है। यह मेला राजा मेदिनीराय की याद में लगता है। यह मेला जिला प्रशासन एवं आयोजन समिति के समन्वय से लगते रहा है। उन्होंने राजा मेदिनीराय की यादों को ताजा करते हुए कहा कि मेला के माध्यम से प्रशासन एवं आमजनों का मिलना-जुलना होता है और योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जाता है। उन्होंने कुछ मांगों को भी रखा। कार्यक्रम में नगर आयुक्त जावेद हुसैन, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, डीडीसी शब्बीर अहमद, सदर एसडीओ सुलोचना मीना आदि उपस्थित थे। मेला को सफल बनाने में जिला कल्याण-सह-जिला खेल पदाधिकारी सेवा राम साहु, नजारत उप समाहर्ता विक्रम आनंद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी एवं राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह, हृदयानंद सिंह, उमेश सिंह, भर्दुल कुमार सिंह, अवधेश सिंह चेरो, रवीन्द्र सिंह चेरो, हरेराम सिंह आदि सदस्य लगे हुये हैं।

केतार में पहले दिन परीक्षा कदाचार मुक्त

केतार : झारखंड अधिविद्य परिषद रांची के तत्वावधान में वार्षिक माध्यमिक परीक्षा केतार प्रखंड के इकलौता सेंटर पीएम श्री मध्य विद्यालय केतार में प्रथम दिन कदाचार मुक्त संपन्न हुई। परीक्षा व्यासायिक विषय का हुआ जिसमें कुल 103 विद्यार्थी में से 102 विद्यार्थी उपस्थित हुये। केंद्राधीक्षक मो मोकारिन ने बताया कि परीक्षा कदाचारमुक्त, भयमुक्त, शांतिपूर्ण माहौल में कराया गया। परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरा में 144 लागू रहा। विद्यालय परिसर में किसी प्रकार का अनाधिकृत प्रवेश वर्जित है। परीक्षा हॉल में किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, डिजिटल घड़ी, इयरफोन,

मोबाईल, कैलकुलेटर आदि ले जाना वर्जित है। परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र के परिधि में लाउडस्पीकर और कोई भी उस तरह का वाद्ययंत्र का प्रयोग वर्जित है। इसके बावजूद भी अगर लोग परीक्षा केंद्र का नियम उल्लंघन कर कदाचार करने की कोशिश करेंगे तो, वैसे लोगो को चिन्हित कर उन पर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। परीक्षा के दौरान दंडाधिकारी घनश्याम गुप्ता, पर्यवेक्षक तेरेखा बखला व एएसआइ वेंकेट्श शर्मा पुलिस बल के साथ मुस्तैदी से तैनात थे। मौके पर उप केंद्राधीक्षक देवेंद्र कुमार, संजय मिश्रा, प्रेम कुमार गुप्ता, धनंजय कुमार, मनोरंजन कुमार, सुधा कुमारी, मनोज दास, दिलीप जायसवाल, राजू सिंह, अजय कुमार, संतोष कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

डीसी ने की जिला स्तरीय बैठक, पीड़ितों को सहायता अनुदान राशि देने का निर्णय

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : समाहरणालय के सभाकक्ष में मंगलवार को डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम-1989 के अन्तर्गत जिला स्तरीय बैठक की गई। जिसमें सांसद एवं विधायक सदस्यों के प्रतिनिधिगण समेत जिला स्तर के पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित

जन जाति अत्याचार निवारण अधिनियम-1989 के अन्तर्गत आहूत जिला स्तरीय इस बैठक में जिले के विभिन्न 20 प्रखंड अंतर्गत कुल 74 मामले प्राप्त हुये जिन पर अनुसंधान उपरांत पीड़ितों को सहायता अनुदान की राशि भुगतान करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश ने बताया कि पीड़ितों को सहायता अनुदान राशि भुगतान के लिये लगभग 32 लाख रुपए की आवश्यकता है। परंतु वर्तमान में कुल लगभग 16 लाख रुपये उपलब्ध है जिनमें स्वीकृति प्राप्त सभी पीड़ितों को स्वीकृत अनुदान राशि देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त पलामू सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चौबे, भवनाथपुर विधायक के प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक यशोधरा, गढ़वा एसडीओ संजय कुमार, रंका एसडीओ रुद्र प्रताप, श्री बंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा आदि उपस्थित थे।

समाहरणालय के सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस विषयक पर सेमिनार

सुरक्षित व जिम्मेदारी के साथ करें इंटरनेट का उपयोग : डीसी

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : वर्तमान दौर में इंटरनेट बेहद ही महत्वपूर्ण विषय हो चला है। बगैर इंटरनेट के कई कार्य संभव नहीं है। ऐसे में इंटरनेट का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग सबके हित में है। कोई भी तकनीक वरदान है या अभिशाप यह उसके उपयोग पर निर्भर करता है। इसी प्रकार इंटरनेट का उपयोग भी यदि सुरक्षित व जिम्मेदारी से किया जाये तो यह आज के समय में बहुत बड़ा वरदान है। उक्त बातें डीसी शशि रंजन ने कही। वे आज समाहरणालय के सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस विषयक पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कार्यशाला में

मौजूद लोगों को फाइनेंशियल फ्रॉड, लॉटरी स्कैम, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, केवाईसी फ्रॉड समेत अन्य प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड से कैसे बचना है इस लेकर जागरुक किया। इसके पूर्व डीसी, डीडीसी, नगर आयुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। बता दें कि हर साल फरवरी के दूसरे सप्ताह के मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया जाता है। डीडीसी शब्बीर अहमद ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी के बीच सुरक्षित तरीके से इंटरनेट के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना है। जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह ने कहा कि जैसे हम सभी अपने स्वास्थ्य को लेकर निजी जीवन में स्वच्छता को प्रमुखता देते हैं उसी तरह इन्टरनेट कि दुनिया में भी साईबर हमला से बचने के लिये साईबर हाइजिन को प्रमुखता देना आवश्यक है। साईबर हाईजिन का आशय यह है कि सभी लोगों को इन्टरनेट के इस्तेमाल से पूर्व अपने कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाईल फोन में एंटीवायरस का इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कभी भी अनजान नम्बरों से आने वाले फोन कॉल से अपनी निजी जानकारी न तो साझा करें और न ही अनजान नंबर से प्राप्त किसी भी लिंक को अपने मोबाईल या कम्प्यूटर में खोलें। कार्यशाला में एनआईसी के नेटवर्क इंजिनियर सुधीर कुमार तिवारी, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पंकज कुमार पाण्डेय व सीएससी मैनेजर अरविंद कुमार राम ने भी इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ साईबर हमलों का सामना करने को लेकर जागरूक किया। इस दौरान ई कोमर्स, सोशल नेटवर्किंग, पेमेंट्स एवं कम्युनिकेशन, फिशिंग, विशिंग एवं स्मशिंग समेत अन्य विषयों को रेखांकित किया गया। साईबर थाना के पुलिस निरीक्षक ने साईबर ठगी होने पर उसकी शिकायत दर्ज करने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से बताया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के जिला स्तर के पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, मीडिया कर्मी, आईटी का कार्य देखनेवाले विभिन्न कार्यालय कर्मी आदि उपस्थित थे।

लीगल लिट्रेसी कैंप का आयोजन

गढ़वा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में 90 दिवसीय आउटरीच प्रोग्राम के तहत गढ़वा के आरोग्य फार्मेसी एवं नर्सिंग इंस्टीट्यूट में लीगल लिट्रेसी कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पीएलवी रमाशंकर चौबे ने वंदना से की। इस दौरान रमाशंकर चौबे ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, विधार्थी जीवन में अनुशासन के महत्व के बारे में जानकारी दी। वहीं पीएलवी सुधीर चौबे ने सरकार के द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। पीएलवी रवींद्र यादव ने भी अन्य कानूनी जानकारी दी। मौके पर कॉलेज के निदेशक दीपक पांडेय, व्याख्ता प्रियांशु सहित काफी संख्या में प्रषिक्षणार्थी मौजूद थे।

उर्से जब्बारिया व जश्ने दस्तार हुफाज कॉन्फ्रेंस का आयोजन

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : श्री बंशीधर नगर पंचायत क्षेत्र के विशुनपुर कर्बला के मैदान में अंजुमन कमेटी के तत्वावधान में उर्से जब्बारिया व जश्ने दस्तार हुफाज कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जामिया इस्लामिया जब्बारिया मदरसा में पढ़ने वाले 10 छात्रों ने कुराआन ए पाक का हिफ्फज हासिल किये कार्यक्रम का शुभारंभ कुराआन ए पाक की तिलावत कर किया गया। कार्यक्रम में हजरत असगर इमाम साहब, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य ताहीर अंसारी, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ओबेदुल्लाहक अंसारी, मुफ्ति शमसाद आलम, मुफ्ती रुहुल अमीन उपस्थित थे। कार्यक्रम का सदारत अंजुमन कमेटी के सदर तौहीद खान ने किया। इस अवसर पर हजरत असगर इमाम साहब ने कहा नबी ने फरमाया है कि आधी रोटी खालो लेकिन अपने बच्चों को इल्म (शिक्षा) जरूर सिखायो। शिक्षा से पूरी दुनिया को हासिल किया जा सकता है और हिंसा को रोका जा सकता है। झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य ताहीर अंसारी ने कहा कि इस्लाम धर्म हमेशा सच्चाई, अमन, शांति व भाईचारे का पैगाम देता है। उन्होंने झूठ, धोखा, नफरत सहित अन्य बुराईयों से बचने के लिये सख्त मना किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ई ओबेदुल्लाह हक अंसारी ने क्षेत्र के लोंगो से अपील किया कि आप लोग शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले जिससे अपने देश, राज्य व क्षेत्र का विकास हो। जामिया इस्लामिया जब्बारिया में पढ़ने वाले 10 छात्रों ने कुरआन ए पाक का 30 पारा मुकमल हिफ्फज किये। हिफ्फज करने वालो में हाफिज आसिफ रजा, हाफिज अल्ताफ हुसैन, हाफिज अख्तर हुसैन, हाफिज इमरान खान, हाफिज शमशाद राजा, हाफिज इरफान अंसारी, हाफिज गुलाम रब्बानी, हाफिज फैजान खान, हाफिज मुकरम हुसैन के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में जलसे में उपस्थित लोगों ने देश की तरक्की एवं अमन चैन के लिये दुआएं मांगी। कार्यक्रम में सदर तौहिद खान, सरपरस्त शमीम खान, युवा समाजसेवी महमूद आलम सीनियर, महमूद आलम, मौलाना एजाज अंजुम, मौलाना अब्दुल कादिर, मौलाना पैगाम राजा, तस्लीम खान, डॉ कुतबुद्दीन अंसारी, अख्तर खान, फुलटून खान, खुर्शिद खान, अजमेरुल्लाह खान, सलाहू खन, जाहिर खान, मनउवर खान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नकीबे हिंदुस्तान मौलाना एजाज अंजुम ने किया।

न्यूज अपडेट्स

पत्रकार के निधन पर विश्रामपुर में हुई शोक सभा

विश्रामपुर : विश्रामपुर शहर स्थित डाक बंगला परिसर में मंगलवार को आयोजित शोकसभा में शामिल पत्रकारों ने गढ़वा बिंदास न्यूज के चीफ एडिटर आशुतोष रंजन सिंहा की हुई आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुये उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस दौरान दिवंगत पत्रकार आशुतोष रंजन सिंहा की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। शोकसभा में वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र शर्मा, ब्रजेश दुबे, नरेंद्र कुमार सिंह, जयकांत शुक्ला, रघुवीर पांडेय, महेंद्र प्रजापति, कौशल कुमार, शशि तिवारी, आलोक पांडेय, रामनिवास तिवारी, योगेंद्र मिश्रा, दीपक पांडेय सहित कई पत्रकार शामिल थे।

अवैध पत्थर लदा ट्रैक्टर जब्त

विश्रामपुर : विश्रामपुर पुलिस ने मंगलवार की शाम जमारी जंगल से अवैध पत्थर लोड कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। जब्त ट्रैक्टर सोहदाग गांव निवासी उदय कुमार का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जमारी जंगल से पत्थर का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। खबर मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हुयी। विश्रामपुर-इटको मुख्य पथ से पत्थर ले जा रहे ट्रैक्टर को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर थाने लेकर पार्क किया है। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर मालिक उदय कुमार का सोहदाग गांव में एक अवैध क्रेशर मशीन भी चलता है। वह अपने अवैध क्रशर के लिये पत्थर का हमेशा उत्खनन करता है। पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गयी है।

अपराध डबल हत्याकांड से क्षेत्र में फैली सनसनी

धारदार हथियार से अधेड़ दंपत्ती की हत्या

बंशीधर न्यूज

कांडी : कांडी थाना क्षेत्र के जतरो गांव में सोमवार की रात्रि में अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से मारकर अधेड़ दंपति की हत्या कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दंपति हीरा रजवार 65 वर्ष एवं पत्नी कलावती देवी 60 वर्ष प्रत्येक दिन की भांति सोमवार की शाम को भोजन करने के बाद गांव के दक्षिण ओर मलू राम के दक्षिण की ओर टेन बांध के बिछली पर निलगाय से बचाने के लिये खेत पर फसल का देख रेख करने गये थे। वहीं मंगलवार की सुबह जब 10 बजे तक अपने घर पर पति-पत्नी में से कोई घर नहीं लौटे तो मृतक छोटा पुत्र खेत पर जाकर देखा कि माता व पिता को कोई हत्या कर कंबल से ढक दिया था। उसके बाद वह जोर-जोर से रोने चिल्लाने लगा। घटनास्थल पर पति-पत्नी दोनों एक ही जगह सोये हुये देखे गये और कुछ दूरी पर धारदार हथियार पर जाने की भी निशान ग्रामीणों ने देखा और वहां पर दो तौलिया भी पड़े हुए देखे गये। अपराधियों ने घटना का ऐसा अंजाम दिया की घटना स्थल पर ही दंपति की मौत हो गई। घटनास्थल पर पानी के बोतल गिलास एवं केन पर खून के छिटे देखे गये। दोनों के माथे में गहरी चोट के निसान भी देखा गया। लोगों का कहना था कि कुल्हाड़ी जैसे किसी धारदार हथियार से मारकर हत्या की गई है। पुत्र राजकुमार ने बताया कि हमलोगों को किसी से कोई दुश्मनी नहीं है और प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी खेत आये हुये थे। किसने किया यह नहीं बता सकते हैं। इसके बाद इसकी सूचना थाना प्रभारी अविनाश राज को दिया गया। सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी, थाना प्रभारी अविनाश राज दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच शुरू किये। इस तरह वृद्ध दंपति की निर्मम हत्या की सूचना मिलते हैं क्षेत्रीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह घटनास्थल पहुंचकर दोषी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिये भरोसा दिया। वहीं मझिआंव पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी ने कहा कि जिसने भी घटना का अंजाम दिया है वह बहुत गलत किया है उसे किसी भी हाल में बक्सा नहीं जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि एसएफएल टीम एवं अन्य टीम के मदद से घटना की जांच की जा रही है। और टीम गठन कर अपराधियों को धर दबोच लिया जायेगा। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि दिनेश कुमार एवं मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार ने कहा कि जिसने भी घटना का अंजाम दिया है वह बहुत गलत किया है और पुलिस को इस घटना में सम्मिलित अपराधियों को जड़ गिरफ्तार करे। और इसके साथ-साथ मुआवजा भी दिया जाय। वहीं कांडी पुलिस ने पंचनामा कर दोनों शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गढ़वा भेज दिया। मौके पर प्रमुख नारायण यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ो लोग मौजूद थे।

सविमं में परीक्षार्थियों का स्वागत

श्री बंशीधर नगर : सरस्वती विद्या मंदिर में जैक की 12 वीं की परीक्षा का केंद्र बनाया गया है। जिसमें प्लस टू उच्च विद्यालय के परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। इन सभी परीक्षार्थियों का विद्यालय में तिलक लगाकर मुख्य द्वार पर स्वागत किया गया। वहीं मिष्ठान खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया गया। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने सभी बच्चों को परीक्षा की शुभकामनाएं दी।

हृदयगति रुकने से युवक की मौत

विश्रामपुर : रेहला थाना क्षेत्र के उरसुला गांव के एक युवक अनिल राम (25) की मौत सोमवार की रात हृदयगति रुक जाने से हो गयी है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। नौजवान बेटे की मौत के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मंगलवार को गांव के ही श्मशान घाट पर उसका दाह संस्कार कर दिया गया। वहीं नौडीहवा गांव निवासी सोनू भुईयां (75) की भी मौत मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद हो गयी है। उनका भी दाह संस्कार आज ही किया गया है। दोनों मृतक के दाह संस्कार के लिये लकड़ी का व्यवस्था पूर्व पार्षद संजय बैठा ने किया। दाह संस्कार में मनोज राम, राकेश राम, संतोष राम, बबलू कुमार, शशि राम, विनोद कुमार, राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार, नितेश कुमार, अंकित राम, सुदामा राम, बबन बैठा सहित कई लोग शामिल हुये।

बिजली की चपेट में आने 15 वर्षीय किशोर की मौत

केतार : केतार में बिजली करंट की चपेट में आने से 15 वर्षीय नीतीश कुमार पाल पिता राकेश पाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि मंगलवार को नीतीश अपने दरवाजे के पर्दा टांगने वाला स्टील रॉड ठीक कर रहा था। वही दरवाजा से ऊपर 11 हजार हाई वोल्टेज तारा उसके दरवाजे से पर होने के कारण तार में रड सट गया और तार में करंट होने के कारण झुलस कर गिर गया। हालांकि तत्काल उसे डॉक्टर के पास ले जाया गया। लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सको ने नीतीश को मृत घोषित कर दिया। शव के पोस्ट-मार्टम के लिये गढ़वा भेजा दिया गया है।

संत रविदासजयंती मनाने को लेकर मुहल्लेवासियों ने बनायी कमेटी

विजय अध्यक्ष व अनिल बने उपाध्यक्ष

विश्रामपुर : विश्रामपुर नगर परिषद के वार्ड 16 में मंगलवार को यदुनी राम की अध्यक्षता में मोहल्ले वासियों की एक बैठक हुयी। बैठक में संत शिरोमणि रविदास जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय हुआ कि इस वर्ष भी संत रविदास की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जायेगी। जयंती समारोह के सफल आयोजन व संचालन के लिये एक कमेटी का भी गठन किया गया। सर्वसम्मति से युवा सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार रवि को कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। जबकि अनिल कुमार को उपाध्यक्ष, विजय राम पेंटर को सचिव, संजय राम को उप सचिव, सतेंद्र रवि को कोषाध्यक्ष, बिट्टू कुमार को सह कोषाध्यक्ष, रामचंद्र राम को सूचना मंत्री व सुदामा रमा को उप सूचना मंत्री बनाया गया। कमेटी के संरक्षक के रूप में यदुनी राम, महाबीर राम, कृष्णा राम, बिनोद राम, हरिशंकर राम, रामनाथ राम, रामजी राम, नारायण राम व संजय कुमार राम को चुना गया। इसके अलावा ग्यारह सदस्यीय कार्यकरणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी में विशाल कुमार, दीपक कुमार, कमलेश कुमार, सुजीत कुमार, आकाश कुमार, अरुण कुमार, लाला कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार, बुधन राम व धनंजय कुमार रवि को रखा गया है।

दूसरों की सेवा में लगा रहता है, उसकी चिंता भगवान करते हैं : आराधना देवी

गरीब तक विकास पहुंचाना दीनदयाल का था उद्देश्य : मनोज सिंह

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : भारतीय जनसंघ के प्रमुख विचारक और राष्ट्रवादी चिंतक दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने की। प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि दीनदयालजी के अंत्योदय समाज के सबसे गरीब और पिछड़े वर्ग तक विकास की किरण पहुंचाना प्राथमिकता में थी। उन्होंने सशक्त भारत आत्मनिर्भर भारत विश्वगुरु बनाने की परिकल्पना की। उनकी विचारधारा आज भी सामाजिक और आर्थिक नीतियों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बनी हुई है। उनकी पुण्यतिथि पर हम उनके विचारों को आत्मसात करने और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने का संकल्प ले सकते हैं। वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि आज के परिवेश में भी दीनदयाल उपाध्याय के प्रमुख विचार पार्टी कार्यकताओं समाज एवं राष्ट्र के लिये प्रेरणादायी है। उन्होंने भारतीय आर्थिक प्रणाली को स्वदेशी मॉडल पर विकसित करने पर जोर दिया। दीनदयाल जी का मानना था कि भारत को अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाये रखते हुये विकास करना चाहिये। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री ज्योति पांडे व धन्यवाद ज्ञापन विजय ठाकुर ने किया। मौके पर प्रेम सिंह, परशुराम ओझा, विभाकर नारायण पांडेय, अमलेश्वर दुबे, शिवकुमार मिश्रा, सुनील पासवान, धर्मेंद्र उपाध्याय, अभिमन्यु तिवारी, सोमेश सिंह, दुर्गा जौहरी, रूपा सिंह, विश्वजीत पाठक, विपुल गुप्ता, ओमप्रकाश पप्पू, साधु माझी, अविनाश सिंहा, श्रवण गुप्ता, सुनील कुमार तिवारी, चतुगुण राम, मंजू गुप्ता, रेनू देवी, सुधीर प्रसाद, शुभम प्रसाद, सतीश पासवान, राजेश सिंह मौजूद थे।

सीएचसी में मना परिवार कल्याण दिवस

विश्रामपुर : विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को परिवार कल्याण दिवस मनाया गया। इसको लेकर सीएचसी के सभागार में कई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार व संचालन एमपीडब्ल्यू मिथिलेश दुबे ने किया। कार्यक्रम में लोगों को परिवार नियोजन से होने वाले लाभों को बताया गया। परिवार नियोजन की विधि के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने कहा कि छोटा परिवार ही सुखी परिवार का मूल मंत्र है। सभी नवदंपतियों को परिवार नियोजन का अस्थाई विधि अपनाना चाहिये। जिन दंपतियों को दो या उससे अधिक बच्चे हैं उन्हें अस्थाई व स्थाई दोनों में से कोई विधि जरूर अपनाना चाहिये। कार्यक्रम के दौरान दर्जनों नव दंपतियों व एक बच्चे वाली महिलाओं को किचन किट उपहार स्वरूप दिया गया। इसके अलावा परिवार नियोजन के अस्थाई विधि का सामग्री किट भी वितरित किया गया। मौके पर बीपीएम पंकज पांडेय, बैम मृगेंद्र सिंह, बीडीएम रविरंजन कुमार, परिवार नियोजन बीटीटी संगीता देवी सहित कई स्वास्थ्यकर्मी व कई दंपति मौजूद थे।

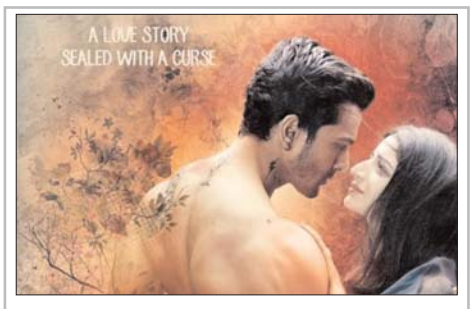

नौ साल पहले की फ्लॉप फिल्म 'सनम तेरी कसम' अब बॉक्स ऑफिस पर हिट

फिल्म 'सनम तेरी कसम' 9 साल पहले रिलीज हुई थी। यह फिल्म उस समय फ्लॉप हो गई थी, अब पुनः रिलीज होने से लेकर चर्चा में है। वर्ष 2016 में रिलीज हुई हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सनम तेरी कसम' शुक्रवार 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हो गई है। इस फिल्म को अब वह लोकप्रियता मिल रही है, जो 9 साल पहले नहीं मिल सकी थी। फिल्म 'सनम तेरी कसम' को दोबारा रिलीज करने का निमार्ताओं का निर्णय सही लग रहा है। हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म ने दोबारा रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर सनसनी मचा दी है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। इसने अब तक मूल रिलीज से अधिक कमाई कर चुकी है। फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित किया है। इस फिल्म ने अपने पहले वीक में बड़ा मुनाफा कमाया। फिल्म को चौथे दिन भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म ने हिमेश रेशमिया की फिल्म और जुनैद-खुशी की 'लवायपा' को पीछे छोड़ दिया है। 'सनम तेरी कसम' ने दोबारा रिलीज होने के बाद शुक्रवार को पहले दिन 5.14 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में 18 करोड़ रुपये कमाए। नौ साल पहले फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन सिर्फ नौ करोड़ रुपये था। पुनः रिलीज होने के बाद इसने अपनी पुरानी कमाई को पार कर लिया। दूसरे दिन 'सनम तेरी कसम' ने 6.22 करोड़ रुपये और रविवार को 7.21 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का पहले हफ्ते का कुल कलेक्शन 18.57 करोड़ हो गया।

एटली व सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म के बंद होने की अफवाह

वर्ष 2023 शाहरुख के लिए साल था। साल की शुरूआत में 'पठान', बीच में 'जवान' और साल के अंत में 'डंकी' रिलीज हुई। इनमें से तीनों फिल्मों के अनुसार शाहरुख फिर बॉलीवुड के अग्रणी अभिनेता बनकर उभरे हैं। 'जवान' का निर्देशन साउथ के निर्देशक एटली ने किया था। अपने पहले बॉलीवुड फिल्म में उन्होंने शाहरुख के साथ काम किया था। 'जवान' बहुत बड़ी हिट फिल्म साबित हुई। इसके बाद एटली और सलमान एक फिल्म के लिए भी साथ आए, लेकिन अब चर्चा है कि उनकी फिल्म बंद कर दी गई है। ऐसी अफवाह भी चल रही है कि एटली अपनी आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट भी तय किया गया था। फिल्म का नाम अ6 था लेकिन अब चर्चा है कि उनकी फिल्म शुरू होने से पहले ही बंद कर दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म फिलहाल नहीं बनेगी। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि यह निर्णय वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की असफलता के बाद लिया गया। इस फिल्म का निर्माण स्वयं एटली ने किया था। इसके अलावा एटली अब अल्लू अर्जुन के साथ एक फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। सलमान और एटली की इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं लेकिन अब वे निराश हैं। सलमान ने 'बेबी जॉन' में 15 मिनट का कैमियो भी किया था। फिल्म के हिट होने के बाद एटली और सलमान दोनों ही सावधानी से कदम उठा रहे हैं। फिलहाल वे फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। एआर मुरुगादॉस इस फिल्म के निर्देशक हैं। यह फिल्म साजिद नाडियाडवाला बैनर तले बनाई जा रही है।

महाकुंभ : भाष्यकार श्रीरामानुजाचार्य स्वामी सहस्राब्दी जयंती पूर्ति महामहोत्सव सह अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन में एक साथ 15000 शंखनाद की ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हुआ

पत्रकार आशुतोष पंचतत्व में विलीन, विदाई में उमड़ा आंसुओं का सैलाब

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : पत्रकार आशुतोष का असामयिक निधन ने सबको झकझोर दिया। विधाता ने रविवार को उनके अंत की जो पटकथा लिखी थी उसका पूर्णतया अंत आज मंगलवार को अंत्येष्टि के साथ सम्पन्न हो गया। पंचतत्व में विलीन हुये पत्रकार भौतिक रूप से अब हमारे बीच नहीं रहे लेकिन तत्व के रूप में ब्रह्मांड के फिजाओं में हम सब के साथ आज भी विद्यमान हैं और भविष्य में भी रहेंगे। गढ़वा जिला पत्रकार संघ सहित सभी पत्रकारों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर बैकुंठ में उनके वास की कामना परमेश्वर से की।

किशोरावस्था में ही हो गई थी पत्रकारिता का बीजारोपण

आशुतोष रंजन सिन्हा गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड के अधौरा गांव के रहने वाले थे। उनके पिता प्रियरंजन सिन्हा विद्यार्थी जीवन में अपने प्रखंड के सर्वाधिक मेधावी छात्र के रूप में विख्यात थे। पत्रकारिता से जुड़ जाने के बाद उनकी लेखनी ने उस क्षेत्र में नई रौशनी का काम किया। कांडी के साथ-साथ पूरे गढ़वा जिले के जुड़ी सूचनाएं देशभर में फैलने लगी। आशुतोष को पिता से ही पत्रकारिता विरासत में मिली थी। किशोरावस्था में ही उन्होंने दैनिक हिन्दुस्तान से जुड़कर पत्रकारिता को धारदार बनाने में भूमिका

निभाने लगे। बाद के कालखंड में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहारा समय से जुड़ गये और पलामू एवं गढ़वा जिले में डिस्ट्रिक हेड के रूप में पत्रकारिता को नयापन दिया। मीडिया क्षेत्र की अपार जानकारियों को अपने मन मस्तिष्क में संजोये आशुतोष ने खुद अपना एक चैनल बिंदास न्यूज शुरू किया। उन्होंने बिना किसी दबाव, भय, घृणा, पक्षपात के पत्रकारिता के अनछुये पक्षों से लोगों को रूबरू कराया। सबके चहेते के रूप में सौम्य, शांत, सहनशील और गंभीर आशुतोष ने अपना एक अलग पहचान बना ली। उनके इस पहचान में समय-समय पर बदलते उनके पहनावे ने भी बड़ा रोल अदा किया। लोगों के कमेंट का परवाह किये बिना आशुतोष बिंदास बन कर अपने पत्रकारिता के उत्तरदायित्व को निभाते रहे। मां की मौत ने छीन ली जीने की उम्मीदें : मां, पिता और दो बहनों साथ आशुतोष का जीवन किसी राजकुमार की तरह कट रहा था। दोनों बहनों की शादी कर खुशियों से उनकी डोली सजाई, सुख एवं समृद्धि से भरपूर घर बसाया। इसी बीच अपनी भी शादी रचाकर सुखद दांपत्य जीवन का निर्वहन शुरू किया। लेकिन उनकी जीवन की शांति तब भंग हो गई जब उनकी मां असमय परलोक गमन कर गईं। मां से अटूट रिश्ता ने आशुतोष को खंड खंड कर दिया। मां से शुरू जीवन की यात्रा लक्ष्य से भटकने लगी। आशुतोष मां की याद में इतने डूब चुके थे कि उन्होंने सोशल मीडिया में कई पोस्ट कर मां से अपने पास बुलाने की विनती भी की थी। जीने की तमन्ना खो देने वाले आशुतोष ने अपने पिता, पत्नी और अपने तीनों संतानों की परवाह किये बिना ही अपने स्वास्थ्य से ध्यानमुक्त हो गये थे। पेट की जटिल बीमारी का तीन-तीन बार बड़े अस्पतालों में इलाज के बाद भी स्वास्थ्य के प्रति उनकी सजगता शून्य ही रही। नौ फरवरी को मौत ने आशुतोष के दरवाजे पर पेट दर्द के रूप में दस्तक दी। स्थानीय अस्पतालों में समाधान ढूंढने का बड़ा प्रयास हुआ लेकिन 10 फरवरी की काली शाम ने आशुतोष को परलोक गमन का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

अंत्येष्टि में शामिल हुये हजारों शुभचिंतक

गढ़वा जिला मुख्यालय के परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में मृत्यु की पुष्टि होने के बाद आशुतोष का पार्थिव शरीर उनके गांव अधौरा ले जाया गया। दुःख की गगनभेदी दहाड़ से गांव पूरी तरह गमगीन था। उनके सभी शुभचिंतक शोक के अचूक सदमे से मर्माहत थे। दाह संस्कार के माध्यम से आशुतोष का रोम-रोम ईश्वर को समर्पित हो गया। अब आशुतोष इतिहास के रूप में हम सब के बीच प्रेरणा देते रहेंगे। अंत्येष्टि कार्यक्रम में विधायक नरेश प्रसाद सिंह, गढ़वा एसडीएम संजय कुमार पांडेय, जिलेभर के सभी पत्रकार, अन्य जनप्रतिनिधि, शुभचिंतक, ग्रामीण सहित लगभग एक हजार लोग शामिल थे।

छह वर्षीय पुत्र कान्हा ने दी पत्रकार आशुतोष को मुखाग्नि

गढ़वा : बिंदास न्यूज के डायरेक्टर युवा पत्रकार आशुतोष रंजन को उनके छह वर्षीय पुत्र कान्हा ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार का समय काफी मर्माहत कर देने वाला था। नन्हे बालक ने बिलखते हुये अपने पिता को मुखाग्नि दी। इस दृश्य को देखकर अंतिम संस्कार में शामिल लोगों की आंखें नम हो गई। कई अन्य लोग भी रो पड़े। पत्रकार आशुतोष रंजन के निधन पर गढ़वा जिला पत्रकार संघ ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। आशुतोष को असमय चले जाने से गढ़वा जिला पत्रकार संघ को अपूरणीय क्षति हुई है। मंगलवार को संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने शोकसभा का आयोजन किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रख कर मृतक के आत्मा की शांति प्रदान करने एवं परिजनों को दुख सहने की क्षमता प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक व्यक्त करने वालों में गढ़वा जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष धनंजय सिंह, उपाध्यक्ष दीपक कुमार, महासचिव धीरेंद्र चौबे, सचिव जितेंद्र सिंह, संजीव कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील चौबे, संगठन सचिव आनंद सिन्हा, प्रिंस धीरज, संजीव पांडेय, संदीप शौर्य, बलराम शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, विनय पांडेय, चंदन कश्यप, रजनीश कुमार, रिशु श्रीवास्तव, सोनू कुमार, संदीप कुमार, धर्मेंद्र चौबे, राधे रमण चौबे, महेंद्र गुप्ता, वरुण शर्मा आदि का नाम शामिल है।

Hit लिस्ट

पत्रकार आशुतोष के असामयिक निधन पर डीसी ने जताया शोक

गढ़वा : जिला दंडाधिकारी सह डीसी शेखर जमुआर ने पत्रकार आशुतोष रंजन सिन्हा के असामयिक निधन पर

शोक व्यक्त करते हुये शोकसंतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में जिला प्रशासन उनके परिवार के साथ है। डीसी श्री जमुआर ने कहा कि गढ़वा के वरिष्ठ और समर्पित पत्रकार आशुतोष रंजन सिन्हा का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। वे एक मिलनसार, हसमुखी तथा सुलझे हुये पत्रकार थे। आशुतोष का जाना गढ़वा पत्रकारिता जगत और समाज के लिये एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

संसद में 6 नई भाषाओं में अनुवाद सेवा की घोषणा

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसद में

छह नई भाषाओं में अनुवाद सेवा के विस्तार की घोषणा की। इनमें बोडो, मैथिली, डोगरी, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू भाषाएं शामिल हैं। सदन को सम्बोधित करते हुए बिरला ने कहा कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में हम एकसाथ भाषांतरण उपलब्ध करा रहे थे। अब छह भाषाओं बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू को भी शामिल किया गया है। इसी के साथ अतिरिक्त 16 भाषाएं हैं, जैसे-जैसे मानव संसाधन मिल रहा है, प्रयास है कि हम साथ-साथ रूपांतरण कर सकें। दुनिया के अंदर भारतीय संसद है, जो इतनी भाषाओं के साथ भाषांतरण कर रही है।

महाकुम्भ : अंबानी की चार पीढ़ियों ने महाकुंभ में अमृत स्नान कर संतों का लिया आशीर्वाद, सफाई कर्मियों की भी ली सुध

मां, दोनों बेटे, बहुएं, पोते, सास, भाभी व बहनों के साथ मुकेश अंबानी ने लगायी डुबकी

महाकुम्भ नगर। रिलायंस इंड्रस्टीज लिमिटेड के प्रमुख मुकेश अंबानी ने अपनी मां, बेटों और पोते-पोतियों के साथ प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में मंगलवार को अमृत स्नान करते हुए पवित्र डुबकी लगाई।

अंबानी के साथ उनकी मां कोकिलाबेन, बेटे आकाश और अनंत, बहुएं श्लोका और राधिका, पोते पृथ्वी और वेदा और बहनें दीप्ति सालगांवकर और नीना कोठारी ने एक साथ डुबकी लगाई। उनके साथ श्री अंबानी की सास, पूनमबेन दलाल और भाभी, ममथाबेन दलाल भी थीं। अम्बानी की चार पीढ़ियाँ गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र जल के संगम पर आध्यात्मिक तीर्थयात्रा पर

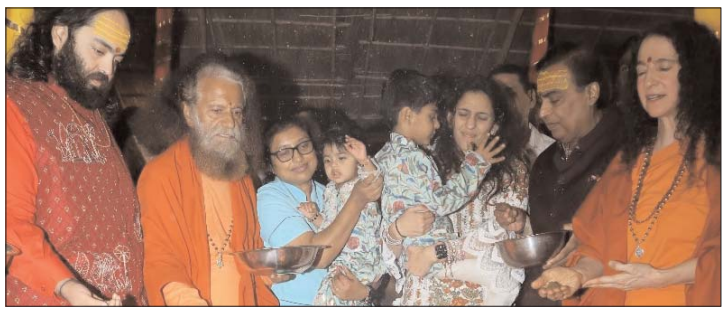

लाखों लोगों के साथ शामिल हुईं। निरंजनी अखाड़े के स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने गंगा पूजन किया। इसके बाद श्री अंबानी ने परमार्थ निकेतन आश्रम के स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। आश्रम में अंबानी परिवार ने मिठाइयां और लाइफ जैकेट बांटे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपनी 'तीर्थ यात्री सेवा' के माध्यम से महाकुंभ तीर्थयात्रियों की सेवा कर रहा है, जो तीर्थयात्रियों की प्रगति को सुविधाजनक बनाने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए एक सर्वव्यापी पहल है क्योंकि वे जीवन में एक बार आत्म-खोज और दिव्य कृपा के अवसर के लिए प्रयागराज में एकत्र होते हैं। अपने 'वी केयर' दर्शन से प्रेरित होकर, रिलायंस तीर्थयात्रियों को पौष्टिक भोजन (अन्न सेवा) और व्यापक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर सुरक्षित परिवहन और बढ़ी हुई कनेक्टिविटी तक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहा है। कंपनी के अन्य सुविधाजनक उपायों में पवित्र जल पर सुरक्षा, आरामदायक विश्राम क्षेत्र, स्पष्ट नेविगेशन और अभिभावकों (प्रशासन, साथ ही पुलिस और जीवन रक्षक) का समर्थन करना शामिल है।

प्रभात टुडे नेटवर्क के लिए राधेरमण चौबे द्वारा गुलाब मेमोरियल मार्केट श्री बंशीधर नगर गढ़वा झारखंड से प्रकाशित, प्रधान संपादक-धीरेन्द्र चौबे, संपादक-धर्मेन्द्र कुमार चौबे* फोन : 9471737671, web-www.banshidharnews.com-Email-prabhatodaynetwork@gmail.com, *समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार (सभी वादों का निपटारा नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय के अधीन होगा)